vinetur

लात्सियो की वाइनरीज़ 7.05 लाख हेक्टोलिटर बिना बिकी वाइन के साथ फसल कटाई में उतरेंगी

लात्सियो में वाइन का भंडार सालाना 6.4% बढ़ा है। रोम के आसपास के उत्पादकों को कम से कम €400 मिलियन के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

सोमवार, 5 अक्टूबर 2026



लात्सियो का वाइन उद्योग नए उत्पादन चक्र में ऐसे समय प्रवेश कर रहा है, जब वाइनरीज़ के भंडार में पहले से ही बड़ी मात्रा में बिना बिकी वाइन जमा है। यह कमजोर मांग का संकेत है, जो उत्पादकों के मुताबिक अब कीमतों, मुनाफे के मार्जिन और इस साल की फसल की योजनाओं पर असर डाल रही है।

Confagricoltura के अध्ययन केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, जिन्हें Corriere della Sera ने उद्धृत किया है, 31 जुलाई को लात्सियो में वाइन का भंडार लगभग 705,000 हेक्टोलिटर था। यह एक साल पहले से 43,000 हेक्टोलिटर, यानी 6.4% अधिक है। अखबार की खबर के मुताबिक, रोम के आसपास के क्षेत्र की वाइनरीज़ के लिए इस जमा स्टॉक से कम से कम €400 मिलियन का नुकसान हो रहा है।

ये आंकड़े 2026 के वाइन सीज़न की मुश्किल शुरुआत की ओर इशारा करते हैं, हालांकि अंगूर की फसल ठीक रहने की उम्मीद है। उत्पादकों को अब नई फसल लाने की तैयारी करनी है, जबकि पिछली विंटेज की बड़ी मात्रा अब भी भंडारण में पड़ी है। व्यावहारिक रूप से, यह जमा स्टॉक कार्यशील पूंजी को बांधता है, कीमतों को नीचे धकेल सकता है और वाइनरीज़ के लिए नई फसल को बाजार में खपाना मुश्किल बना सकता है। इस बीच, दुकानों की शेल्फ़ पर जगह, रेस्तरां के ऑर्डर और वितरकों की मांग पहले से ही दबाव में हैं।

Confagricoltura के आंकड़ों के मुताबिक, बिना बिकी वाइन की सबसे बड़ी कुल मात्रा IGP श्रेणी में है। इसमें 337,000 हेक्टोलिटर अब भी उत्पादक के पास बिना बिके पड़े हैं, जो एक साल पहले से 2% अधिक है। DOP वाइन में बिना बिके स्टॉक की सालाना वृद्धि कहीं तेज रही : 30,000 हेक्टोलिटर से अधिक की बिक्री का बिल नहीं बना, जो 17.2% की बढ़ोतरी है। अखबार द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, वैराइटी वाइन भी प्रभावित हुई है और इसकी लगभग 33% मात्रा अब तक नहीं बिकी है।

उद्योग के प्रतिनिधियों ने इसके कई कारण बताए। महंगाई ने लोगों की खरीद क्षमता घटाई है, जबकि गैस और ईंधन की बढ़ती कीमतों से उत्पादन, पैकेजिंग और परिवहन की लागत बढ़ी है। छोटी स्थानीय वाइनरीज़ ने अक्सर कम मुनाफे पर काम करके इन बढ़ोतरी का कम से कम कुछ हिस्सा खुद वहन किया है। जब वे ऐसा नहीं कर पातीं, तो मूल्यसूची के ज़रिये बढ़ी हुई लागत खरीदारों पर डालती हैं। Corriere की खबर के मुताबिक, परिवारों, होटलों और रेस्तरां ने खरीद घटाकर इसका जवाब दिया है।

उत्पादकों को खपत की आदतों में व्यापक बदलाव भी दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता इटली और यूरोप के अन्य हिस्सों में हर आयु वर्ग के लोगों के बीच वाइन की मांग घटा रही है। यूरोप लात्सियो की वाइन के प्रमुख निर्यात बाजारों में से एक बना हुआ है, लेकिन वहां भी मांग सिकुड़ रही है।

उत्पादकों का कहना है कि यूरोप के बाहर भी बाजार मुश्किल हो गया है। अखबार की खबर के मुताबिक, अमेरिका में टैरिफ और कैलिफोर्निया के अपने वाइन क्षेत्र को बढ़ावा देने की नई मुहिम के चलते कम और मध्यम कीमत वाली इतालवी वाइन की बिक्री में बढ़ोतरी धीमी पड़ रही है। लात्सियो के लिए यह अहम है, क्योंकि वहां कई उत्पादक महंगे दामों के बजाय लगातार बिक्री पर निर्भर हैं।

Confagricoltura Lazio के निदेशक Valerio De Paolis ने Corriere से कहा कि उत्पादकों को चीन और एशिया के अन्य बाजारों की खर्च करने की क्षमता पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय वाइन को पर्यटन और खाद्य-पेय से जुड़ी व्यापक पेशकशों के साथ जोड़कर बढ़ावा देने के लिए लात्सियो के वाइन पर्यटन कानून से बने अवसरों का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने खास तौर पर रोम का उल्लेख किया, जहां आने वाले लाखों पर्यटक इस क्षेत्र की बोतलों के लिए सबसे बड़ा शहरी संदर्भ बाजार हैं।

इस दबाव का असर अलग-अलग वाइनरीज़ पर भी दिख रहा है। Corriere ने Castello di Torre in Pietra का उदाहरण दिया, जो एक ऐतिहासिक वाइनरी है। इसकी स्थापना 1926 में Corriere della Sera के पूर्व संपादक Luigi Albertini ने सेवानिवृत्ति के बाद की थी। इसके मौजूदा मालिक Filippo Antonelli ने कहा कि कारोबार को अपने उत्पादों के खरीदार ढूंढ़ने में मुश्किल हो रही है।

अखबार के मुताबिक, Antonelli ने कहा, “हमारे उत्पादों के खरीदार ढूंढ़ने में कुछ मुश्किल हो रही है।” उन्होंने बताया कि प्रति व्यक्ति वाइन की औसत खपत पिछले चार दशकों में 110 लीटर से घटकर 30 लीटर रह गई है। उन्होंने उत्पादन की पूरी श्रृंखला में ऊर्जा लागत बढ़ने की ओर भी ध्यान दिलाया—ट्रैक्टरों के डीज़ल से लेकर प्रसंस्करण के लिए बिजली तक—और परिवहन के लिए ज़रूरी कार्टन, प्लास्टिक और बोतलों के अपरिहार्य खर्च का भी उल्लेख किया।

इन दबावों का असर उपभोक्ताओं तक भी पहुंच रहा है, लेकिन इससे उत्पादकों को हमेशा फायदा नहीं होता। Ismea और Nir के आंकड़ों का हवाला देते हुए, जिन्हें Confagricoltura Lazio ने संकलित किया, Corriere ने बताया कि लागत

घटाने से पहले उत्पादकों को ग्राहकों द्वारा चुकाई गई अंतिम कीमत का केवल 10.3% से 23.7% हिस्सा मिलता है। उत्पादक स्तर पर औसत कीमत €0.46 से €1.01 प्रति लीटर के बीच है।

दुकानों की शेल्फ़ पर यह अंतर खास तौर पर साफ दिखता है। Corriere ने DOP Colli Albani वाइन की एक बोतल का उदाहरण दिया, जो खुदरा बाजार में €5.59 में बिकती है। इस रकम में से किसान को सिर्फ €0.57 मिलते हैं—शेल्फ़ पर कीमत का लगभग 10%।

पेय उद्योग के व्यापक संदर्भ में, लात्सियो के ये आंकड़े दिखाते हैं कि फसल की परिस्थितियां ठीक होने पर भी मांग में आई सुस्ती किस तरह पूरी आपूर्ति श्रृंखला में फैल सकती है। अतिरिक्त भंडार का असर सिर्फ वाइनरीज़ तक सीमित नहीं रहता। इससे बोतलों, लेबल, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स के ऑर्डर भी धीमे पड़ सकते हैं, जबकि खुदरा विक्रेता और रेस्तरां के खरीदार नया स्टॉक लेने में अधिक सतर्क हो सकते हैं। पहले से बढ़ी लागत और अधिक चुनिंदा खपत वाले बाजार में इससे उन उत्पादकों पर दबाव और बढ़ सकता है, जो प्रीमियम कीमतों के बजाय बड़ी मात्रा में बिक्री पर निर्भर हैं।

लात्सियो की वाइनरीज़ अब नई विंटेज की तैयारी के साथ पुराना स्टॉक बेचने की कोशिश कर रही हैं। यह संतुलन नकदी प्रवाह और कीमत तय करने के अनुशासन, दोनों की परीक्षा लेगा। रोम में यूरोप के सबसे बड़े पर्यटक बाजारों में से एक की निकटता और क्षेत्र का मजबूत पर्यटन आकर्षण अब भी फायदे हैं, लेकिन उत्पादकों का कहना है कि घरेलू मांग में कमजोरी, निर्यात वृद्धि में सुस्ती और वाइन कारोबार में हर तरफ बढ़ती लागत की भरपाई सिर्फ इनसे नहीं हो सकती। इस बीच, कृषि उत्पादक को मिलने वाली कीमत के आंकड़े बताते हैं कि खुदरा मूल्य का कितना छोटा हिस्सा आपूर्ति श्रृंखला के कृषि पक्ष तक पहुंचता है। कुछ मामलों में उत्पादकों को मिलने वाला प्रतिफल सेंट में मापा जाता है, जबकि उपभोक्ता एक बोतल के लिए कई यूरो चुका रहे होते हैं।